



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 253]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 2, 1992/ज्येष्ठ 12, 1914

No. 253]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 2, 1992/JYAISTHA 12, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(नियेश प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जून, 1992

सा.का. नि. 576 (क).—कतिपय नियमों का निम्न-
लिखित प्रारूप, जो पुनः प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम,
1957 में संशोधन के लिए है और जिन नियमों को केन्द्रीय
सरकार द्वारा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956
(1956 का 42) की धारा 30 की उप-धारा (1) में प्रदत्त
शक्तियों का उपयोग करते हुए बनाने का प्रस्ताव है, उप-
रोक्त धारा की उप-धारा (3) में अपेक्षित, उन सभी
खोशों की सूचना के लिए जो सम्भवतः इससे प्रभावित
होंगे, एतद्वारा प्रकाशित किया जाता है और साथ

ही एतद्वारा यह सूचना भी दी जाती है कि उपर्युक्त
प्रारूप को, पैंतालीस दिन अथवा उक्त दिनों
की समाप्ति के बाद उस तारीख से जिस तारीख
से इस अधिसूचना को भारत के राजपत्र में प्रकाशित
किया जाए और इसकी प्रतियां जनता को उपलब्ध
कराई जाएं, ध्यान में रखा जाएगा।

उपयुक्त प्रारूप के संबंध में उक्त समावाधि समाप्त
होने से पहले किसी भी व्यक्ति से यदि किसी प्रकार
की आपत्तियां अथवा सुझाव प्राप्त होते हैं, तो उन पर
केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप नियम

- (1) इन नियमों को प्रतिभूति संविदा (विनियमन)
संशोधन नियम, 1992 कहा जाएगा।
- (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में अन्तिम रूप से प्रकाशन
की तारीख के बाद प्रवृत्त होंगे।

2. प्रतिभूति संविदा (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 8 की धारा (4) के प्रारम्भ में शुरू होने वाले शब्दों "कोई कंपनी" और अन्त के शब्दों "ऐसी कंपनी में असीमित दायित्व है" को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"जैसा कि कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में परिभाषित है, कोई भी कंपनी स्टॉक एक्सचेंज के एक सदस्य के रूप में चयनित होने के लिए पात्र होगी, यदि :—

- (i) ऐसी कंपनी की स्थापना उक्त अधिनियम की धारा 12 में किए गये उपबंधों के अनुपालन में की जाती है ;
- (ii) इस प्रकार की कंपनी ऐसी वित्तीय अपेक्षाओं और मनवण्डों का अनुपालन करती है जिसे भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड द्वारा ऐसी कंपनी को भारतीय प्रतिभूति तथा विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 12 की उप-धारा (1) के अन्तर्गत पंजीकरण के लिए निर्दिष्ट किया जाए ;
- (iii) ऐसी कंपनी के अधिकांश निदेशक कंपनी के शेयर धारक हैं और कंपनी की 40 प्रतिशत से अधिक चुकता इक्विटी पूंजी उनके द्वारा धारित की जाती है ;
- (iv) खण्ड (1) (उसके उप-खण्ड (च) को छोड़कर) अथवा खण्ड (3) (उसके उप-खण्ड (च) को छोड़कर) के अन्तर्गत कंपनी के निदेशक स्टॉक एक्सचेंज के सदस्य होने हेतु अनर्ह नहीं हैं ;
- (v) कंपनी के कम से कम दो निदेशक ऐसे व्यक्ति हैं जो निम्नलिखित में कम से कम दो वर्ष का अनुभव रखते हैं :—
 - (क) प्रतिभूतियों के कारोबार में ; अथवा
 - (ख) पोर्टफोलियो प्रबन्धक ; अथवा
 - (ग) निवेश परामर्शदाताओं के रूप में ।"

[एफ. संख्या 1/81/एसई/90]

कमल पाण्डे, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Investment Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd June, 1992

G.S.R. 576(E).—The following draft of certain rules further to amend the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957 which the Central Government

proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956), is hereby published as required by sub-section (3) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date on which the copies of the Gazette of India in which this notification is published and are made available to the public.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the said period will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. (1) These rules may be called the Securities Contracts (Regulation) Amendment Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their final publication in the Official Gazette.

2. In rule 8 of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, in clause (4), for the portion beginning with the words "A company" and ending with the words "have unlimited liability in such company following shall be substituted, namely :—

"A company as defined in the Companies Act, 1956 (1 of 1956) shall be eligible to be elected as a member of a Stock Exchange if —

- (i) such company is formed in compliance with the provisions of Section 12 of the said Act;
- (ii) such company undertakes to comply with such financial requirements and norms as may be specified by the Securities and Exchange Board of India for the registration of such company under sub-section (1) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (iii) majority of the directors of such company are shareholders of the company and not less than 40 per cent of the paid-up equity capital of the company is held by them;
- (iv) the directors of the company are not disqualified for being members of a stock exchange under clause (1) (except sub-clause (f) thereof) or clause (3) (except sub-clause (f) thereof);
- (v) not less than two directors of the company are persons who possess a minimum two years' experience,—
 - (a) in dealing in securities, or
 - (b) as portfolio managers; or
 - (c) as investment consultants".

[F. No. 1/81/SE/90]

KAMAL PANDE, Jt. Secy.